हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

GI FAIR INDIA
INDIA'S GEOGRAPHICALLY INDICATED PRODUCTS FAIR
2nd Edition भारतीय भौगोलिक संकेतित उत्पाद मेला

20-24 July 2023
India Expo Centre & Mart
Greater Noida, Delhi-NCR, India

प्रेस विज्ञप्ति – पांचवा दिन

दूसरा जीआई फेयर इंडिया 2023

20 से 24 जुलाई 2023; इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा

जीआई फेयर इंडिया का दूसरा संस्करण का समापन एक भव्य आयोजन के साथ, डॉ. रजनी कांत (पदमश्री) की गरिमामयी उपस्थिति रही

जीआई के बारे में जागरूकता बढ़ाने और क्यूरेटेड ट्रेड प्लेटफॉर्म में प्राथमिक उत्पादकों, मूल कारीगरों और प्रमाणित उत्पादों को बढ़ावा देने में आयोजन की रही प्रभावी भूमिका

लाइव क्राफ्ट प्रदर्शन, फूड सैंपलिंग, सेमिनार और पैनल चर्चा ने पूरे आयोजन को लगाए चार चांद

ग्रेटर नोएडा / दिल्ली एनसीआर - 23 जुलाई 2023 - जीआई फेयर इंडिया का दूसरा संस्करण जीवंत रूप से पांच दिनों के लाइव शिल्प प्रदर्शन, भोजन, ढेर सारे अनुभवों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, आगंतुकों, क्रेताओँ और संरक्षकों में संख्या में भारी वृद्धि के साथ ही संपन्न हो गया। 24 जुलाई 2023 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में चले जीआई फेयर इंडिया में आगंतुकों का स्वागत निर्माताओं और विनिर्माताओं ने अद्वितीय, प्रामाणिक और मूल उत्पादों के एक भव्य प्रदर्शन से किया।

श्री आर.के. वर्मा कार्यकारी निदेशक-ईपीसीएच ने बताया कि यह शो 10,000 से अधिक दर्शकों की उपस्थिति के साथ समाप्त हुआ। इसमें 30 देशों के 110 से अधिक विदेशी खरीदार और 300 से अधिक विदेशी खरीद प्रतिनिधि और घरेलू वॉल्यूम खरीदार शामिल थे। मेले में 14.5 करोड़ रुपये का बिज़नेस इन्क्वायरी हुई ।

जीआई फेयर इंडिया का समापन एक समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें डॉ. रजनी कांत (पदमश्री), कार्यकारी निदेशक, ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन, वाराणसी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने कहा, जीआई फेयर इंडिया के इस दूसरे संस्करण में भारत के जीआई उत्पादों का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व बल्कि यू कहें कि लगभग सभी जीआई उत्पादों का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व देखा गया। इस आयोजन में भारतीय प्रक्रियाओं, स्वदेशी उत्पादों और उत्कृष्ट कृतियों को विश्व बाजारों में ले जाने की महत्वाकांक्षा के साथ कृषि उपज, निर्मित सामान, खाद्य सामग्री, हथकरघा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में फैले 400+ जीआई टैग वाले उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। मेले को विदेशी खरीदारों, घरेलू वॉल्यूम खरीदारों और आम जनता ने सीधे मूल स्रोत से अद्वितीय उत्पादों को देखने, अनुभव करने और उनकी खरीदारी करने का एक अनूठा अवसर के तौर पर देखा और इसमें शिरकत की। इस आयोजन में विदेशी खरीदारों से लेकर स्थानीय क्रेताओं ने उत्पादकों, निर्यातकों और प्रदर्शकों से संबंध स्थापित किए, पूछताछ की और बड़े पैमाने पर खरीदारी की है। कई लोग अभी से ही अगले संस्करण की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

स्पेन के एक अंतरराष्ट्रीय व्यापारी नतालिया कार्डिएलो उपभोक्ता बाजार के लिए सभी प्रकार के उत्पादों का आयात करती हैं। उन्होंने कहा, "मैं यहां सिर्फ उत्पादों का जायज़ा लेने आई हूं और मुझे अभी से ही भारत की लकड़ी की कलाकृतियों से प्यार हो गया है। मैंने दक्षिण भारत से केले के चिप्स, प्रामाणिक काजू और इलायची जैसे मसाले जैसी खाने की चीजें भी खरीदीं हैं। यहां मिल रहे आभूषण

भी बहुत शानदार और अनोखे हैं। वह 2016 से व्यवसाय कर रही हैं और कपड़ा और चाय जैसे व्यक्तिगत पसंदीदा उत्पादों के लिए यह उनकी भारत की 5वीं यात्रा है।

ग्रेस मुइरुरी, 15 वर्षों से केन्या स्थित वैश्विक बी2बी सलाहकार हैं। केन्या विशिष्ट होटलों और ऐसे ही प्रतिष्ठानों के लिए प्राचीन वस्तुओं, प्रामाणिक वस्तुओं और वस्त्रों के स्रोत के लिए गठबंधन बनाने के लिए यहां मौजूद है। वियतनाम से यहां आए सू , भारत और वियतनाम के बीच कई समानताएं पाती हैं। यहां मनमोहक रूप से प्रदर्शित उत्पादों, अनोखी वस्तुओं और बेमिसाल कपड़ों को देखकर उन्हें काफी आश्चर्य हुआ। भारत भर के किसानों की कृषि उपज को उपभोक्ताओं से जोड़ने वाली केरल स्थित कंपनी फार्मस्मोजो के लिए कार्यरत नवीन यहां जैविक मसालों, सामग्रियों, नट्स, खाद्य उत्पादों और यहां तक कि हस्तशिल्प में काम करने वाले आपूर्तिकर्ताओं/संभावित भागीदारों की तलाश में हैं। एक ही छत के नीचे जीआई टैग वाले उत्पादकों की मौजूदगी उनके लिए यह काम सुविधाजनक बनाती है।

अधिकांश जीआई टैग वाले उत्पादों का लंबा इतिहास और इसके साथ ही उनसे एक विस्तृत परंपरा जुड़ी हुई है। इसके साथ ही ये ऐसी सामग्रियों और प्रक्रियाओं का उपयोग करके तैयार किए जाते हैं जो उन्हें इतना विशिष्ट और विख्यात बनाते हैं। टिकाऊ यानी सस्टेनेबल होने के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल होना भी जीआई उत्पादों की पहचान हैं। अधिकांश उत्पाद हस्तनिर्मित होते हैं, उनके रंग प्राकृतिक होते हैं, इसी तरह जीआई टैग वाले खाद्य पदार्थ रसायन मुक्त और ज्यादातर जैविक होते हैं।

डॉ. राकेश कुमार, महानिदेशक-ईपीसीएच एवं अध्यक्ष-आईईएमएल ने बताया कि हाल ही में जीआई टैग प्राप्त उत्पादों में प्रसिद्ध अलीगढ़ के ताले, शादियों और उत्सवों का पर्याय बने अमरोहा के ढोलक, ज्यामितीय रूप से डिजाइन किए गए बागपत के घर की साज-सज्जा, प्रमुख चेक पैटर्न के साथ बाराबंकी के हथकरघा, लकड़ी में सुरुचिपूर्ण तार की जड़ाई की मैनपुरी तारकशी, आबनूस और शीशम पर नक्काशीदार जटिल बहने वाले रूपांकनों के साथ नगीना की लकड़ी की शिल्पकला, रहस्यमय बांदा शज़ार पत्थर शिल्प जिसमें स्वाभाविक रूप से अतीत की ज्वालामुखीय गतिविधि के परिणामस्वरूप लघु पत्ते शामिल हैं और कई अन्य आगंतुकों को बहुत भा रहे हैं और उनके पसंदीदा उत्पाद बन गये हैं। जिन उत्पादों को जीआई टैग मिलने की प्रक्रिया चल रही है या फिर बहुत जल्द उन्हें जीआई टैग मिलने वाला है ऐसे उत्पाद भी आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे है। इनमें प्रमुख रूप से महाराष्ट्र की करक्यूमिन से भरपूर बासमत हल्दी शामिल है, जिसका उपयोग जैविक कपड़ा डाई के रूप में भी किया जाता है; इसके आलावा प्रसिद्ध झिलमिलाती हैदराबाद लाख की चूड़ियाँ देखने के लिए आगंतुकों की इतनी भीड़ है कि लोगों को लाड बाज़ार की सड़कों में भीड़ का सामना करना पड़ रहा है।

'जीआई टैग्ड हैंडीक्राफ्ट एन इफेक्टिव टूल फॉर प्रमोशन ऑफ प्रोडक्ट्स' विषयक पर एक पैनल चर्चा में प्रख्यात वक्ताओं और डोमेन विशेषज्ञों ने उत्पादों के जीआई पंजीकरण में प्रमुख चुनौतियों; जीआई पंजीकरण के लिए भविष्य का दृष्टिकोण; जीआई टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के तरीके; जीआई उत्पादों में गुणवत्ता आश्वासन तंत्र; जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म; जीआई उत्पादों के ऑनलाइन विपणन के लिए रणनीति के प्रमुख तत्व जैसे विषयों पर सघन दृष्टि प्रदान की। इस पैनल चर्चा में उपस्थित लोगों ने जीआई पंजीकरण में आसानी, दी जाने वाली सहायता और व्यापार के लिए जीआई टैग के लाभों के साथ-साथ इन उत्पादों से जुड़े हितधारकों और कार्यबल की आजीविका के बारे में भी सीखा, श्री वर्मा ने आगे बताया ।

अनुकरणीय प्रदर्शन वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संगठनों तथा प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए आज एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. रजनी कांत (पदमश्री) ने पुरस्कार प्रदान किये। संस्थागत पुरस्कार कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए); भारतीय स्पाइस बोर्ड; भारतीय टी बोर्ड; उद्योग विभाग, असम सरकार; एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार; जम्मू एवं कश्मीर व्यापार संवर्धन संगठन (जेकेटीपीओ); उत्तराखंड हथकरघा और हस्तशिल्प विकास निगम (यूएचएचडीसी); उत्तराखंड जैविक वस्तु बोर्ड, उत्तराखंड सरकार; गोवा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद; उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी); भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री विभाग, पीडीटीएम के महानियंत्रक; मणिपुर ऑर्गेनिक मिशन एजेंसी (मोमा); भारतीय खाद्य पर्यटन संगठन को दिए गए, ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. वर्मा ने सूचित किया।

जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:
श्री आर के वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच;
+91-9810679868

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् CIN U20299DL 1986NPL023253
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070
Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58
Fax: +91-11-26135518 / 19
E-mail: mails@epch.com
Web : www.epch.in

GI FAIR INDIA
INDIA'S GEOGRAPHICALLY INDICATED PRODUCTS FAIR
2nd Edition भारतीय भौगोलिक संकेतित उत्पाद मेला

20-24 July 2023
India Expo Centre & Mart
Greater Noida, Delhi-NCR, India

PRESS RELEASE – DAY 5

2nd GI Fair India 2023

20th -24th July 2023; India Expo Centre, Greater Noida

2nd edition of GI Fair India concludes with Valedictory Function graced by Dr. Rajani Kant (Padamshri)

FAIR INSTRUMENTAL IN INCREASING AWARENESS ABOUT GI AND PROMOTING PRIMARY PRODUCERS, ORIGINAL ARTISANS AND CERTIFIED PRODUCTS IN CURATED TRADE PLATFORM

Live Craft Demonstrations, Food Sampling,
Seminars and Panel Discussion added to wholesome experience

Greater Noida/ Delhi NCR– 24th July 2023 – The 2nd edition of GI Fair India concluded after five days of a vibrant showcase, live craft demonstrations, food, plenty of experiences and most significantly, increase in patrons. A grand showcase of unique, authentic and original products directly from the makers and manufacturers has been greeted visitors at the GI Fair India, at the India Expo Centre & Mart till 24th July 2023.

Mr. R. K. Verma Executive Director - EPCH informed that the show ended with the cumulative footfall of over 10,000 visitors including over 110 overseas buyers from 30 Countries and over 300 overseas buying representatives & domestic volume buyers. The fair generated business enquiries worth Rs.14.5 crores.

The GI Fair India closed with a Valedictory Function graced by Dr. Rajani Kant (Padamshri), Executive Director, Human Welfare Association, Varanasi as Chief Guest.

Speaking on the occasion Mr. Dileep Baid, Chairman – EPCH said the biggest representation of almost all GI products of India, GI Fair India in its second edition now, featured 400+ GI tagged products spanning across sectors like agricultural produce, manufactured goods, food stuffs, handlooms and handicrafts with an ambition to take these Indian processes, indigenous products and outstanding masterpieces to the world markets. The fair was visited by overseas buyers, domestic volume buyers and general public alike as a unique opportunity to see, experience and source or shop the original and the inimitable - direct from the original source. They have made connections, enquired, shopped extensively, indulged thoroughly and sampled. Many already look forward to the next edition. Among business visitors, Natalia Cardielo, an international trader from Spain for all kinds of consumer products said, “I just came here to browse and I've

already come to love India's wooden work art pieces. I also bought eatables like banana chips, authentic cashews and spices like cardamom from South India. The jewellery is also very unique and exquisite." In business since 2016, this is her 5th visit to India for personal favourites like textiles and tea. Grace Muiruri, a Kenya based global B2B advisor since 15 years Kenya is here to forge alliance to source antiques, authentics and textiles for exclusive hotels and such establishments. Su from Vietnam finds many similarities between India and Vietnam. She shared her amazement at the captivating display, hard goods and fabrics. Naveen from Farmsmojo, a Kerala based company that connects agricultural produce from farmers across India to consumers is here to look for suppliers/prospective partners dealing in organic spices, ingredients, nuts, food products and even handicrafts. Presence of GI tagged producers under one roof makes it convenient for him.

Most of the GI tagged products have long history and tradition linked to them and are prepared using the materials and processes that make them so special and famed. GI products are the hallmark of being sustainable and environmentally friendly. For most products, processes are handmade, dyes are natural, while foods are chemical free - being mostly organic.

Dr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH & Chairman – IEML informed that the recently tagged favourites are the legendary Aligarh locks, Amroha's dholak synonymous with weddings & festivities, geometrically patterned Baghpat home furnishing, Barabanki handlooms with prominent check patterns, Mainpuri Tarkashi of elegant wire inlay in wood, Nagina wood craft with its intricate flowing motifs carved on Ebony and Sheesham, the mystical Banda Shazar Patthar Craft that naturally contains miniature foliage within as a result of bygone volcanic activity and many others. Among exhibits that are in the process of getting GI tagged but are getting their due in terms of visitor attention are curcumin rich Basmat haldi from Maharashtra that is also used as an organic textile dye; and the famous shimmery Hyderabad lac bangles one braves the busy streets of Laad Bazaar for.

A Panel Discussion on 'GI tagged Handicrafts an effective tool for promotion of Traditional Products' held during the fair with eminent speakers and domain experts offered insights on Major challenges in GI registration of products; Future outlook for GI registration; Ways to promote GI tagged products; Quality assurance mechanism in GI products; Online platforms for promotion of GI products; Key elements of strategy for online marketing of GI products. The attendees also learnt about the ease of GI registrations, support offered and benefits of the GI tag to business as well as livelihood to stakeholders and workforce connected with these products, further informed Mr Verma.

An Award ceremony to felicitate individuals and organizations of eminence and participants with exemplary display was held today. The Chief Guest Dr. Rajani Kant (Padamshri), gave away the Awards. The Institutional Awards went to Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA); Spice Board of India; Tea Board of India; Industries Department, Govt. of Assam; MSME Department, Govt. of Odisha; Jammu & Kashmir Trade Promotion Organisation (JKTPO); Uttarakhand Handloom And Handicrafts Development Corporation (UHHDC); Uttarakhand Organic Commodities Board, Govt. of Uttarakhand; Goa State Council For Science & Technology; Department For Promotion of Industry And Internal Trade (DPIIT); Geographical Indications Registry Department, Controller General of PDTM; Manipur Organic Mission Agency (MOMA); Indian Food Tourism Organisation, informed Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH.

For more information, please contact:
Mr. R. K. Verma, Executive Director, EPCH
+91-9810679868

Encl: English Hindi Version with Photos

PHOTO 1: DR. RAJNIKANTH (PADAMSHRI) ALONGWITH MR. R. K. VERMA, EXECUTIVE DIRECTOR-EPCH GIVING AWAY THE INSTITUTIONAL RECOGNITION AWARD TO ONE OF THE PARTICIPANT OF GI FAIR INDIA'23 (20-24 JULY'23) DURING VALEDICTORY CEREMONY AT INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA.

PHOTO 2: DR. RAJNIKANTH (PADAMSHRI) ADDRESSING THE PARTICIPANTS OF PANEL DISCUSSION HELD ON GI TAGGED HANDICRAFTS – AN EFFECTIVE TOOL FOR PROMOTION OF TRADITIONAL PRODUCTS DURING GI FAIR INDIA'23 (20-24 JULY'23) AT INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA.

PHOTO 3: GLIMPSES OF PANEL DISCUSSION HELD ON GI TAGGED HANDICRAFTS – AN EFFECTIVE TOOL FOR PROMOTION OF TRADITIONAL PRODUCTS DURING GI FAIR INDIA'23 (20-24 JULY'23) AT INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA.

PHOTO 4: OVERSEAS BUYER TRANSACTING BUSINESS WITH ONE OF THE PARTICIPANTS DURING GI FAIR INDIA'23 (20-24 JULY'23) AT INDIA EXPO CENTRE & MART, GREATER NOIDA.